



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 352] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 17, 1973/आश्विन 25, 1895  
No. 352] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 17, 1973/ASVINA 25, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

### ORDER

*New Delhi, the 17th October 1973*

**S.O. 551(E)/15/IDRA/73.**—Whereas the industrial undertaking known as Messrs. Jay Engineering Works Limited, Calcutta (Electrical Fans and Sewing Machines manufacturing Units at Calcutta), is engaged in the Scheduled Industries, namely, Electrical Equipment and Commercial, Office and Household Equipment Industries;

And whereas the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

*Chairman*

1. Shri K. B. Rao, Chairman, National Industrial Development Corporation Limited, New Delhi.

*Members*

2. Shri A. Bose, Special Officer and Ex-Officio Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta.
3. Shri R. J. Shahaney, Managing Director, Jessop and Company Limited, Calcutta.

4. Shri K. N. Ramaswamy, Industrial Adviser, Directorate General of Technical Development, New Delhi.

The above body shall submit its report to the Central Government within a period of twelve weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

D K. SAXENA, Jt. Secy.  
[No F. 2/13/73-CUS.]

### औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर, 1973

आ० का० 551 (अ)/15/आई० डी० आर० ए० 73.—यतः मैसर्स जय हंजी-नियरिंग धर्म्स लिमिटेड, कलकत्ता (बिजली के पंखों और सिलाई की मशीनों का उत्पादन करने वाला कलकत्ता एकक) नामक औद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योग अर्थात् विद्युत उपस्कर और वाणिज्यिक कार्यालय और घरेलू उपस्कर उद्योग में लगा हुआ है :

और अतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं की बाबत उत्पादन के परिणाम में सारतः गिरावट आयी है, जिसके लिए, विद्यमान आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखते हुए, कोई औचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इस मामले की परिस्थितियों में पूरी तरह से अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

#### अध्यक्ष

1. श्री के० बी० राव,  
नेशनल इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड,  
नई दिल्ली ।

#### सदस्यगण

2. श्री ए० बोस, विशेष अधिकारी और पदेन सचिव,  
बंद और रुग्ण उद्योग विकास,  
पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता ।
3. श्री आर० जे० साहनी, प्रबन्ध निदेशक,  
जेसॉय एण्ड कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता ।
4. श्री के० एन० रामास्वामी, औद्योगिक सलाहकार,  
तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली ।

उपरोक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से बारह सप्ताह की अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश करेगा ।

[स० फा० 2/13/73-सी० यू० सी०]  
डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।